



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 442]

नई विल्लो, बृहत्तार, अगस्त 23, 1989/भाद्रा 1, 1911

No. 442]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 1989/BHADRA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए प्रयोग रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त नियाय
(राजस्व विभाग)
तारीखी, 23 अगस्त, 1989
अधिकृतानं
सं. 227/89-सामाशुल्क

सा.षा.नि. 777(अ).—केन्द्रीय सरकार, सोमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घाया 25 का उल्लंघन (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान ही जान पर कि सोमाशुल्क में ऐसा करना अद्यतक है, भारत सरकार के वित्त नियाय (राजस्व विभाग) को अधिकृता में 148/68-सामाशुल्क, नारोब 27 अप्रैल, 1988 में नियमान्वित और संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिकृता में,

(1) “किसी दाज्य सम्बद्ध नियम या किसी सम्बद्ध सहायी परिवर्तन जिसे संघर्षित दाज्य सरकार ने सम्मता दी है द्वारा” शब्दों, या लोप किया जाएगा;

(2) “उक्त मीनाशुल्क टैरिफ अधिनियम की घाया 3 के प्रधीन तत्त्व पर उद्यग्नीय ममाशुल्क प्रतिक्रियत सीमाशुल्क से छूट देती है” शब्दों के स्थान पर नियमान्वित रखा जाएगा, अर्थात्:—

(i) व्यापारी व्यापार में, नियमों द्वारा ते तंबड़ विभाग के उपनियम के रेग में अनियम रेग के लिये अधिकारी का इस व्यापार का प्राप्तान्त्र अनुलूप करना है कि व्यापार का जाने वाली वाहरी नोटों तें नोटाओं में व्यापार के लिए जितका उपयोग अनुच्छेद १३ रे मल्ली पकड़ने की संकेता के लिए किया जाता है, और वह, विधायत द्वारा की नियमित करता है,

(ii) व्यापारिक व्यापार के सभी गहायक सामाशुल्क कारबंदर को इस व्यापार का एक अवैत्यर्थ देना है, कि,

(i) उक्त व्यापारी नोटों का प्रयोग उपरोक्त विनियिट प्रयोजन के लिए किया जायगा; और

(ii) वह उपरोक्त (i) का अनुवालन करने में असकल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उनी रखने वा गंदाय करेगा तो, उनि इन्होंने उन्नियिट युट न दीतो, यी उक्त वाहरी नोटों पर उद्यग्नीय शुल्क और व्यापार के समय पहले ही संबंध शुल्क के बीच अंतर के बराबर ही।

परन्तु ऊपर विनियिष्ट गति (1) और (2) किसी राज्य मरम्य नियात या किसी मरम्य मद्दकारी परिसंघ द्वारा, जिसे संबंधित राज्य सरकार ने मान्यता दी है, उक्त बहुती मोटरों के नियति की दशा में याग नहीं होंगी।

[फा. सं. 356/30/89-टी आर य]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 23rd August, 1989

NOTIFICATIONS

NO 227/89-CUSTOMS

G.S.R. 777(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), The Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 148/88-Customs, dated the 27th April, 1988, namely :—

In the said Notification,—

- (1) the words “by any State Fisheries Corporation or any Fisheries Co-operative Federation recognised by the State Government concerned shall be omitted,
- (2) for the words “section 3 of the said Customs Tariff Act,” the following shall be substituted, namely :—

“Section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer produces a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary of the Department concerned with fisheries in the State Government, to the effect that the outboard motors being imported are for fitment to boats which are exclusively used for fishing operations and recommending the grant of the concession, and
- (2) the importer furnishes an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time of importation to the effect that—
 - (i) the said outboard motors shall be used for the purpose specified above; and
 - (ii) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (i) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on the said outboard motors, but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation;

Provided that the conditions (1) and (2) specified above shall not apply in the case of imports of the said outboard motors by any State Fisheries Corporation or any Fisheries Co-operative Federation recognised by the State Government concerned.

[F. No. 356/30/89-TRU]

सं. 228/89-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 778(प्र).—मंदोदर सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962(1962 का 52) को घारा 25 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह ममायत हो जाते पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975(1975 का 51) को यहां प्रानुसूची के अध्याय 84 के अन्वर्तन आने वाले हिमशुष्कोकर (हिमशुष्क के उपस्कर) (जिसे इसमें इसके प्रकार ममोनरी कहा गया है), जब उसका एंटोबायोटिक्स के विनियोग के लिए भारत में आयात किया जाए।—

(i) यह पर उद्याहरणीय सीमाशुल्क के उत्तरे भाग में, जो उक्त पहला प्रानुसूची में विनियिष्ट है, जो तूल्य के 35 प्रतिशत से अधिक है, और

(ii) उक्त नीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम को पारा 3 के अंतर्गत उस पर उद्याहरणीय मंपूर्ण प्रतिरक्षण सीमाशुल्क से;

इस गति के अधीन रहने हुए छूट देने हैं कि माल को निकासी के समय आयातकर्ता भारत की सीमाशुल्क कलक्टर को—

(1) भारत सरकार के तकनीकी विकास भवनिदेशालय में अपर औद्योगिक सनाहकार के रैंक से अनिम्न रैंक के किसी अधिकारी का इस आशय का प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करता है कि आयातिन मशेन एंटोबायोटिक्स के विनियोग के लिए है; और

(2) भारत सरकार के आयात और नियात तुल्य इस आशय के रैंक से अनिम्न रैंक के किसी अधिकारी का इस आशय का नियंत्रक प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करता है कि—

(i) आयातकर्ता ने भारत सरकार के आयात और नियात मुद्य नियंत्रक द्वारा इस वायव विनियिष्ट वंशपत्र को यह वायव वंश करने सुन निष्पादन किया है कि निकासी को तारोंवाले में पांच वर्ष की अवधि के भोतर आयात की गई ममोनरी के तीन गुना मूल्य के एंटोबायोटिक्स का नियोग करेगा; और

(ii) आयातकर्ता ने उक्त नियत वायव की पृष्ठि का भालीटर करते और उसे प्रतित करने के लिए ऐसे अनुदेशों का अनुपालन करने का व्यवहार किया है जो उक्त आयात और नियात मुद्य नियंत्रक द्वारा जारी किए जाएं।

[फा. सं. 346/242/88-टी आर य]

NO. 228/89-CUSTOMS

G.S.R. 778(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Lyophilizer (Freeze Drier equipment) (hereinafter referred to as the machinery), falling within Chapter 84 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of anti-biotics, from,—

- (i) So much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of 35 per cent ad valorem; and
- (ii) the whole of the additional duty of customs leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act;

Subject to the condition that, at the time of clearance of the goods, the importer produces to the Assistant Collector of Customs —

- (1) a certificate issued by an officer, not lower in rank than an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development of the Government of India to the effect that the imported machine is required for manufacture of anti-biotics; and
- (2) a certificate issued by an officer, not lower in rank than a Joint Chief Controller of Imports and Exports of the Government of India, to the effect that —
 - (i) the importer has executed a bond specified in this regard by the Chief Controller of Imports and Exports of the Government of India undertaking to export anti-biotics of three times the value of the imported machinery, within a period of five years from the date of clearance of the said machinery; and
 - (ii) the importer has undertaken to comply with such instructions as are issued by the said Chief Controller of Imports and Exports to monitor and enforce the fulfilment of the said export obligation.

[F. No. 346/242/88-TRU]

सं. 229/89-सीमाशुल्क

मा.का.नि. 779(प्र).—केन्द्रीय सरकार, वित्त प्रधिनियम, 1989 (1989 का 13) की घारा 35 को उपधारा (4) के मात्र पठिन्

सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गवितवों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं. 161/89-सीमाशुल्क, तारीख 12 मई, 1989 का निम्नलिखित और संशोधन फरती है, अर्थात् :—

उपर विधिसूचना की अनुसूची में, कम सं. 97 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के परवाने, निम्नलिखित कम सं. और प्रविष्टियों अंतःस्पापित की जाएंगी, अर्थात् :

“सं. 98. 228/89-सीमाशुल्क, तारीख 23 अगस्त, 1989”

[का.सं. 346/242/89-टी.प्रार.पू.]
भार. के. महाजन, अवर सचिव

NO. 229/89-CUSTOMS

G.S.R. 779 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 161/89-Customs, dated 12th May, 1989 namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 97 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“98. 228/89-Customs, dated the 23rd August, 1989.”

R. K. MAHAJAN, Under Secy.
[F. No. 346/242/89-TRU]

